भारतीय भाषा प्रौद्योगिकी समागम

Technology & Bharatiya Bhasha Summit

दिनांकः 30 सितंबर और 1 अक्टूबर 2023

स्थानः डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली

दो दिवसीय समागम के योजनाबद्ध प्रमुख कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

पहला दिन : 30 सितंबर 2023	
10:00 AM – 11:00 PM पंजीकरण एवं स्टाल भ्रमण **11:00 AM – 1:00 PM उद्घाटन सत्र**	
02:15 PM – 03:15 PM	**सत्र 1: भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी:** **a)** भारतीय भाषाओं में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी की भूमिका और शिक्षा के माध्यम के रूप में भारतीय भाषाएँ। **b)** भाषा दक्षता परीक्षण के लिए प्रौद्योगिकी, अधिगम परिणामों का आंकलन एवं मूल्यांकन **c)** भारतीय भाषा शिक्षकों का प्रशिक्षण। **d)** पारंपरिक से डिजिटल कक्षाओं में निर्बाध परिवर्तन (हाइब्रिड कक्षाएँ)। **e)** भारतीय भाषाओं पर आधारित पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में प्रौद्योगिकी की भूमिका – रोडमैप (पंचवर्षीय योजना)
3:45 PM to 5:00 PM	**सत्र 2: भारतीय भाषाओं के लिए प्रौद्योगिकी** a) भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद। b) अनुवाद परिशुद्धता बढ़ाने में मशीन लर्निंग की भूमिका। c) क्षेत्रीय भाषाओं में चैटबॉक्स और वर्चुअल सिस्टैंट

	d) वाक् पहचान के लिए भाषा प्रतिरूपण। e) भारतीय भाषा लिपियों के लिए युनिकोड का मानकीकरण अगले पाँच वर्ष की कार्य योजना

दूसरा दिन: 1अक्टूबर 2023

10.00 **AM**-11**.15 AM**

सत्र 3: भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी

1) ऑपरेटिंग सिस्टम और सॉफ्टवेयर का स्थानीयकरण:

a) **भारतीय भाषाओं में प्रमुख OS (जैसे एन्ड्रायड, आईओएस, विंडो) का अनुकूलन।**

b) **क्षेत्रीय श्रोताओं के लिए UI/UX सॉफ्यवेयर का स्थानीयकरण।**

2) सर्च इंजिन का स्थानीयकरण:

a) **भारतीय भाषा सर्च एल्गोरिद्म।**

b) **क्षेत्रीय भाषाओं में अर्थ ग्रहण की चुनौतियाँ।**

3) डिजिटल कंटेंट प्लेटफार्म:

a) **भारतीय भाषाओं में ई-लर्गिंग प्लेटफार्म।**

b) **क्षेत्रीय भाषाओं में ऑनलाइन ट्यूटोरियल एवं पाठ्यक्रम प्रदान करना।**

c) **स्थानीय भाषा में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने में सरकार की पहल।**

d) **क्षेत्रीय सामग्री उपलब्ध कराने वाले OTT प्लेटफार्म्स।**

e) **ई-बुक प्लेटफार्म्स एवं क्षेत्रीय भाषा सहयोग।**

f) **क्षेत्रीय भाषा में समाचार वेबसाइट एवं ऐप्स।**

4) **भारतीय भाषा माध्यम के विद्यार्थियों हेतु रोजगार के अवसर प्रदान करना।**

अगले पाँच वर्ष की कार्य योजना

11:45 AM – 01:00 PM	**सत्र 4: भारतीय भाषाओं में प्रौद्योगिकी** 1. शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले संस्थान, कौशल, उद्योग, स्टार्टअप-पारिस्थितिकी तंत्र, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विभाग, एन.जी.ओ. और राज्य सरकारें। 2. भारतीय भाषाओं में प्रजनक AI। 3. भारतीय कीबोर्डों का विकास। 4. भारतीय लिपियों के लिए हस्तलेखन पहचान। 5. भारतीय भाषाओं के लिए वॉइस-टू-टेक्स्ट रूपांतरण। 6. संकेत-आधारित इनपुट और भाषांतरण। अगले पाँच वर्ष की कार्य योजना
02:15 AM – 03:30 PM	**सत्र 5: भारतीय भाषाओं द्वारा प्रौद्योगिकी** 1) भारतीय भाषाओं के माध्यम से कौशल विकास। a) भाषा-आधारित पाठ्यचर्या विकास। b) भारतीय भाषाओं के माध्यम से कौशल विकास के लिए डिजिटल प्लेटफार्म। c) भारतीय भाषाओं के माध्यम से व्यावसायिक प्रशिक्षण। d) भारतीय भाषाओं के माध्यम से आंकलन एवं परीक्षा का आयोजन। e) भारतीय भाषाओं के माध्यम से पीयर-टू-पीयर कौशल साझा प्लेटफार्म। f) स्थानीय समुदायों के सहयोग से सहयोगात्मक अधिगम की पहल। 2) AR, VR/MVR जैसे प्रौद्योगिकी के उपयोग से भारतीय भाषाओं का गहन अधिगम। 3.स्थानीय उपभोक्ता अनुभव:

	a) भारतीय भाषाओं के माध्यम से अंतरापृष्ठ प्रारूप सिद्धांत। b) भारतीय भाषाओं के माध्यम से उपयोगिता परीक्षण एवं प्रतिपुष्टि संग्रह। c) सफल भारतीय भाषा अप्लिकेशनों के प्रकरणों का अध्ययन। 4. भारतीय डिजिटल फूटप्रिंट के माध्यम से कृत्रिम बुद्धि एवं डाटा विश्लेषण, भावनात्मक विश्लेषण। d) भारतीय डाटासेट के माध्यम से AI प्रारूप का प्रशिक्षण। e) स्थानीय डिजिटल फूटप्रिंट के माध्यम से उपभोक्ता के व्यवहार एवं प्राथमिकताओं का विश्लेषण। अगले पाँच वर्ष की कार्य योजना
04:00 PM – 05:10 PM समापन सत्र – रिपोर्ट एवं समापन वक्तव्य	